



गणपत नमः

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

*Duplicate*

सं० 4]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1979/भाद्र 31, 1901

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1979/BHADRA 31, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में

रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कार्यालय सहायक आयकर अधिवक्ता (निराकरण) अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ)

(1) के अधीन सूचना

जयपुर, 18 सितम्बर, 1979

**निर्देश संख्या: राज/सहा० आ० अर्जन/598**—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो व्यापार में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय व्यापार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रस्तात् :—

(1) श्री मुकुट बिहारी लाल भार्गव पुत्र श्री विनोदी लाल भार्गव (अन्तरक) जयपुर।

(2) मैसर्स महावीर एण्ड सन्स कम्पनी, व्यापार..... (अन्तरिनी)।

\* (3) श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग..... में सम्पत्ति है)

\* (4) श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में..... अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

\* जो लागू न हो उसे काट दीजिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वच्छोकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थसिद्धि, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

3 बीघा व 15 बिस्वा जमीन का नया नगर स्थावर में स्थित है और उस पंजीयक व्यापार द्वारा रजिस्ट्रेशन नम्बर 3468 दिनांक 29-12-78 पर पंजीयक विज्ञापन पत्र में और दस्तावेज का में विवरणित है।

तारीख 18-9-79

मोहर

म. र. अग्रवाल\*

सक्षम प्राधिकारी

#### OFFICE OF THE I.A.C. ACQUISITION RANGE

Notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961)

Jaipur, the 18th September, 1979

**Ref. No. Raj/AC (Acq.)/598.**—Whereas, I, M. R. Aggarwal being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Beawar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 29-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(1) Shri Mukut Beharilal Bhargava S/o Shri Vinodi Lal Bhargava, (Transferor), Jaipur.

.....property)

(2) M/s. Mahavir & Co., Beawar, .....(Transferee)

.....

\*(3) Shri/Shrimati/Kumari .....  
(Person in occupation of the.....  
.....property)

\*(4) Shri/Shrimati/Kumari .....  
(Person whom the under.....  
signed knows to be interested in the property).  
Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-  
signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Explanation :—**The terms and expressions herein-as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

Land measuring 3 bigha & 15 biswas situated at Naya Nagar, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Beawar vide registration No. 3468 dated 29-12-78.

Date 18-9-1979.

Seal.....

M. R. AGGARWAL, Competent Authority

\*Strike off where not applicable.